ज्ञान विचार

पराधीनता पाप है,
जान लेहु रे मीत।
रैदास दास पराधीन
सौं, कौन करैहै प्रीत॥
-: गुरु रविदास

गुरु रविदास जयंती विशेषांक

P.K.L. No. : HR/KKR/184/2022-24

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

CONTACT : 91382-03233 हिन्दी राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

www.gajabharyana.com ◆ 1 फरवरी 2023 अंक : 19 वर्ष - 05 पेज-6 मूल्य : 7/- सालाना: 150/- रुपए ◆ Email : contact@gajabharyana.com

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई
संत जैनदास हितकारी जी महाराज
श्री गुरु रविदास दास चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)
गुरु गद्दी दयालगढ बुढ़िया,यमुनानगर, हरियाणा।

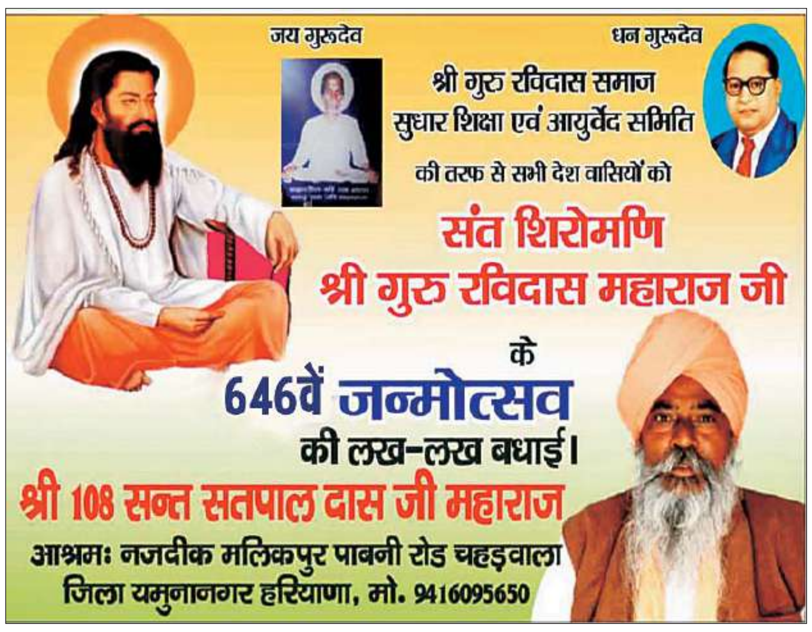
जय गुरुदेव
धन गुरुदेव
श्री गुरु रविदास समाज
सुधार शिक्षा एवं आयुर्वेद समिति
की तरफ से सभी देश वासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
के
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
श्री 108 सन्त सतपाल दास जी महाराज
आश्रमः नजदीक मलिकपुर पाबनी रोड चहड़वाला
जिला यमुनानगर हरियाणा, मो. 9416095650

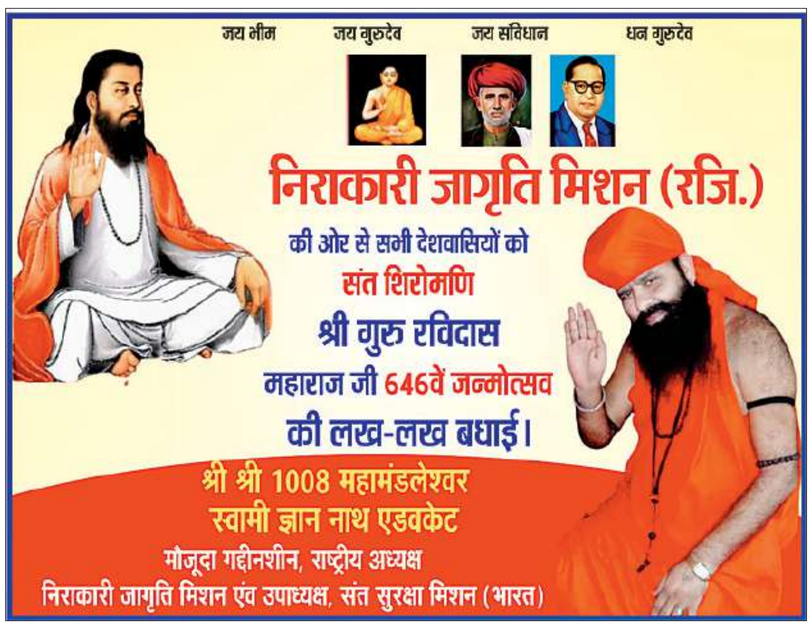
जय भीम
जय गुरुदेव
जय संविधान
धन गुरुदेव
निराकारी जागृति मिशन (रजि.)
की ओर से सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास
महाराज जी 646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर
स्वामी ज्ञान नाथ एडवकेट
मौजूदा गद्दीनशीन, राष्ट्रीय अध्यक्ष
निराकारी जागृति मिशन एवं उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन (भारत)

जय गुरुदेव
जय भीम
जय भारत
श्री गुरु रविदास मन्दिर एवं
धर्मशाला सभा, कुरुक्षेत्र
सम्पर्क सूत्र 01744-270913
प्रधान 92555-50126
उपप्रधान 92552-83814
सचिव 94167-82323
सह-सचिव 94164-58463
कोषाध्यक्ष 94166-57799
सदस्य 99960-42717
सदस्य 92150-73100
सदस्य 97284-80241
सदस्य 94164-52984
सदस्य 94160-52408
सदस्य 98139-46991

Global Ravidassia Welfare Organisation Europe,
Vienna Austria
(Registered under the Government of Austria)
ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर आर्गेनाइजेशन, युरोप
की तरफ से जगतगुरु सतगुरु रविदास महाराज जी
के 646 वें जन्मदिवस की लख-लख बधाइयां।
कार्य :-
ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर आर्गेनाइजेशन पूरे विश्व में रविदासिया धर्म के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और भलाई के अन्य कार्य करने और जगतगुरु सतगुरु रविदास महाराज जी और बाबासाहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।
Chairman
Keshav Kumar Dhanda
Lieglestrasse 2, 1220,
Wien, Austria (Europe)
Vienna, Austria

जय गुरुदेव
धन गुरुदेव
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
जगमाल गोलपुरा
प्रदेश उपाध्यक्ष, एससी सैल जजपा,हरियाणा

सन्त शिरोमणि
गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व
की लख-लख
बधाई होवे जी।
aap
डॉ. कपूर सिंह शाहबाद
संयोजक, एससी प्रकोष्ठ,
उत्तर हरियाणा, आम आदमी पार्टी।

सन्त शिरोमणि
गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व
की लख-लख
बधाई होवे जी।
अनिल चौहान
एसईएन,जन स्वास्थ्य विभाग

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई
सुरेन्द्र कुमार नन्हेडा
अम्बाला।

"BSWA शिक्षा प्रथम उद्देश्य"
बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया व
बहुजन समाज वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.)
की ओर से
सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई।
रोहताश मेहरा
संस्थापक, बसवा टीम

हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ
(रजि. न. 02861)
की ओर से
सभी देशवासियों को
संत शिरोमणी गुरु रविदास जी
महाराज के 646 वें प्रकाश पर्व की
हार्दिक बधाईयां।

बेगमपुरा चैरिटेबल ट्रस्ट, भारत
(रजि. 5055)
की ओर से संत शिरोमणी
जगत गुरु रविदास जी महाराज
के
646वें पावन प्रकाशोत्सव
हार्दिक शुभकामनाएं
कुलवंत सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
समस्त कार्यकारणी
मानवता परमो धर्मः

दुष्यंत गौतम, पूर्व सांसद
एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ बनवारी लाल,सहकारिता मंत्री
एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,
श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ
श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ
की ओर से श्री गुरु रविदास जी महाराज के
646वें जन्मोत्सव की बहुत बहुत बधाई
सूरजभान कटारिया
सदस्य सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,भारत सरकार
व राष्ट्रीय महामंत्री,श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ

जय गुरुदेव
धन गुरुदेव
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
के 646वें
प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत
बधाई
कुमारी शैलजा
राष्ट्रीय महासचिव
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
बिमला सरोहा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष,प्रदेश महिला कांग्रेस

राकेश बाल्हर
(राष्ट्रीय अध्यक्ष)
अमरीक बंगड़
(राष्ट्रीय महासचिव)
ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा (रजि.)
की तरफ से सभी देश वासियों को
संत शिरोमणी गुरु रविदास जी
महाराज के 646 वें
जन्मोत्सव की लख -लख बधाई।
रीना बाल्मिकी
प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा

जय गुरुदेव
धन गुरुदेव
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की बहुत बहुत बधाई
रघुबीर सिंह
प्रेमलता
अंकुर
106,आदर्श नगर, अम्बाला कैंट 133001

जय गुरुदेव
धन गुरुदेव
आप सभी को
संत शिरोमणी श्री गुरु रविदास महाराज जी
के 646वें जन्मोत्सव की
लख-लख बधाई
श्री महिपाल फूले

संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
संत निर्मल दास
डेरा बाबा लाल दास जी. कपाल मोचन
डेरा बाबा लालदास जी कपाल मोचन,बिलासपुर, यमुनानगर

JAI MAA PROPERTY
संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई
जमीन,जायदाद, मकान, दुकान, प्लॉट खरीदने
व बेचने के लिए संपर्क करें।
तरसेम कुमार 9728480241
कार्यकारिणी सदस्य, श्री गुरु रविदास मंदिर धर्मशाला सभा, कुरुक्षेत्र
बोहली-बजीदपुर मोड लाडवा रोड़ पिपली, कुरुक्षेत्र।

सन्त शिरोमणि
गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश
पर्व की लख-लख
बधाई होवे जी।
सतबीर सिंह कैत
डिप्टी रेंजर पिपली।

यात्री सूचना एवं सुविधा केन्द्र, पिपली (कुरुक्षेत्र)
Tourist Information & Facilitation Center, Pipli
सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई
★ भोजनालय ★
Breakfast Lunch Dinner
Ac Room 200 Rs/-
Dormatary Bed
शुद्ध भोजन, सस्ते व आरामदायक बैड।
(एक बार सेवा का मौका जरूर दें)
गुरदयाल सिंह इंचार्ज

बेगमपुरा व्यापार मंच
A2Z Bahujan Helpline Center
की ओर से
गुरु रविदास जी महाराज
के 646 वें जन्मोत्सव (5 फरवरी) की
आप सभी देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएँ
बेगमपुरा व्यापार मंच के कार्य
(94994-38436, 72062-72064)

ग्राम पंचायत बजीदपुर,
खंड पिपली, कुरुक्षेत्र
की ओर से
संत शिरोमणी गुरु रविदास जी
महाराज की जयंती की हार्दिक बधाई।
विक्रम सिंह
सरपंच, बजीदपुर

रॉयल केटर्स
की ओर से
संत शिरोमणी गुरु रविदास जी
महाराज की जयंती की हार्दिक बधाई।
बैंकट हॉल, मिलन व हॉट सिज़लर
बुक करवाने के लिए संपर्क करें।
शादी व अन्य प्रोग्रामों के लिए
फैंसी टैंट का विशेष प्रबंध है।
Ranbir 9416733519
Pawan 9518087003
Bir Singh
9991345065

सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव की लख-लख बधाई।
धर्मपाल भाटिया
पूर्व उपाध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस बाबैन

सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव की लख-लख बधाई।
Ravinder Boudh
M:9050161101
Ravindra Photo Studio
& Rajan Boot House

जय गुरुदेव धन गुरुदेव
सभी देश वासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
बी.के भास्कर
पूर्व मुख्य प्रबन्धक पंजाब नैशनल बैंक

सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
श्रीमति राज फुले
श्रीमति राज फुले

जय गुरुदेव धन गुरुदेव
संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी
के
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
रीटा सोलखे कुरुक्षेत्र

जय गुरुदेव धन गुरुदेव
सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
के
646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
जिले सिंह सभरवाल, एमए, एलएलबी
एडवोकेट एवं सामाजिक कार्यकर्ता

जय गुरुदेव धन गुरुदेव
सभी देश वासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
के
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
विरेन्द्र रॉय
समाजसेवी

सभी देश वासियों को
संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई।
बलदेव सिंह, प्रिंसिपल
MA English, MA History,
B.ED, D.Ed, LLB.
K.D. Convent School Amin

आप सभी को
सन्त शिरोमणि
गुरु रविदास जी महाराज
के 646 वें
प्रकाश पर्व की
लख-लख बधाई
जरनैल सिंह रंगा

सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के
प्रकाशोत्सव की
लख-लख
बधाई
वीरेंद्र बिंदा शाहबाद
जय गुरुदेव, धन गुरुदेव
कांग्रेस कमेटी हरियाणा। 8532000085

समस्त देशवासियों को संत शिरोमणी
जगत गुरु रविदास जी महाराज के
646 वें प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई
Jatin Jarora
(Trusted Forex Broker)
Seaprime Capitals
SCO.119, Sector -17, Huda,
Jagadhari, Yamunanagar.

सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि
श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव
की लख-लख बधाई।
Naresh Kumar ranga
Advocate
District Bar Associations Karnal,HR
124,Ram Nagar,Karnal
Ranga.naresh7@gmail.com
9215073100

जय भीम जय भारत
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास
जी महाराज
के
646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
डॉ नराता राम बधवार
एडवोकेट,रिट.एसडीओ

जय भीम जय भारत
संत शिरोमणि गुरु रविदास जी
महाराज के 646वें प्रकाश पर्व
की लख-लख बधाई
सतपाल गोलनी,
समाजसेवी
सुमन देवी

संत शिरोमणि
गुरु रविदास जी
महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व की
लख-लख
बधाई
कुमारी शैलजा
राष्ट्रीय महासचिव
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
अजैब सिंह सिंह नम्बरदार, शाहपुर

जय गुरुदेव धन गुरुदेव
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास
जी महाराज
के
646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
जसमेर सोलखे
एडवोकेट, जिला कोर्ट कुरुक्षेत्र

टैन्ट एंड डैकोरेटर
बिस्तरे ही बिस्तरे
हमारे यहां पर साफ-सुथरे टैन्ट, पलंग, डैकोरेशन,
टब, पतीले, गद्दे- बिस्तरे का विशेष प्रबंध है।
सभी देशवासियों को
संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी
646वें जन्मोत्सव की लख-लख बधाई।
पवन सरोहा
पूजा स्कूल वाली गली, नज़दीक पुलिस लाईन पिपली, कुरुक्षेत्र
पवन सरोहा : 9416527761, 9053743461, 8053344024

जय भीम जय भारत
संत शिरोमणि
जगतगुरु रविदास जी महाराज
के 646वें प्रकाश पर्व
की बहुत बहुत बधाई
प्रवीण बौद्ध

कोई व्यक्ति जन्म से ऊंचा या नीचा नहीं, बल्कि अपने कर्म से होता है : गुरु रविदास जी

आभार
जरनैल सिंह रंगा

गजब हरियाणा समाचार पत्र का गुरु रविदास जयंती विशेषांक निकालने में सहयोग करने पर सभी विज्ञापन्नदाताओं का आभार और उम्मीद करते हैं कि हमें आपका सहयोग हमेशा मिलता रहेगा।

कार्यालयः सामने बस अड्डा, पिपली (कुरुक्षेत्र)
सब-आफिस, गुरुद्वारा (गुढा) मार्कीट , करनाल रोड, इंद्री (करनाल)
जिला ऑफिस यमुनानगर : सैक्टर-17 जगाधरी यमुनानगर
गजब हरियाणा से जुड़ने के लिए संपर्क करें :
मो. 91382-03233, 99916-10843
अधिक जानकारी के लिए देखें हमारीः
वेबसाइट : www.gajabharyana.com
फेसबुक : @gajabharyananews
ट्विटर : @gajabharyana
इंस्टाग्राम : @gajabharyana
ब्लॉगर : gajabharyananews.com
यूट्यूब : gajab haryana news

नोट : गजब हरियाणा में समाचार व विज्ञापन देने के लिए हरियाणा के समस्त जिलों के ब्यूरो चीफ/पत्रकारों व हमारे प्रतिनिधियों से भी संपर्ककर सकते हैं।

चौदह सौ तेंतीस की, माघ सुद्दी पन्द्रास
दुखियों के कल्याण हित, प्रगट गुरु रविदास

जीवन परिचय

पंजाब के रविदासिया लोगों ने साहिबे – कमाल जगत गुरु रविदास जी को जगत गुरु रविदास जी महाराज के नाम से पुकारा। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से ही जाना जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'रुइदास' कहते हैं। कई पुरानी पांडुलिपियों में उन्हें रायादास, रेदास, रुहीदास, रेमदास और रौदास के नाम से भी जाना गया है। कहते हैं कि माघ मास की पूर्णिमा को जब गुरु रविदास जी ने जन्म लिया वह रविवार का दिन था जिसके कारण इनका नाम रविदास रखा गया। उनका जन्म माघ माह की पूर्णिमा को हुआ था। इस वर्ष 5 फरवरी 2023 को गुरु जी की जयंती मनाई जाएगी।

संत शिरोमणि कवि गुरु रविदास जी का जन्म माघ पूर्णिमा को 1377 ई.वी. को उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर के सीर गोवर्धनपुर गांव में हुआ था। उनकी माता का नाम कलसा (कर्मा देवी) तथा पिता का नाम संतोख दास (रग्घु) था। उनके दादा का नाम पूजनीय कालूराम जी, दादी का नाम पूजनीय लखपती जी, पत्नी का नाम पूजनीय लोनाजी और पुत्र का नाम पूजनीय विजय दास जी है। गुरु रविदास जी महाराज चर्मकार कुल से होने के कारण वे जूते बनाते थे। ऐसा करने में उन्हें बहुत खुशी मिलती थी और वे पूरी लगन तथा परिश्रम से अपना कार्य करते थे।

उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब भारत में चारों ओर भेदभाव, छुआछूत, अत्याचार, गरीबी, भ्रष्टाचार व अशिक्षा का बोलबाला था। संत रविदास की ख्याति लगातार ब? रही थी जिसके चलते उनके लाखों भक्त थे जिनमें हर जाति के लोग शामिल थे। 52 राजे रानियां भी उनके शिष्य बने।

गुरु रविदास जी बहुत ही दयालु और दानवीर थे। गुरु रविदास जी ने अपने दोहों व पदों के माध्यम से समाज में जातिय भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता पर बल दिया और मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। गुरु रविदास जी ने सीधे-सीधे लिखा कि रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच यानी कोई भी व्यक्ति जन्म से नही सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है। जो व्यक्ति गलत काम करता है वो नीच होता है। कोई भी व्यक्ति जन्म के हिसाब से कभी नीच नहीं होता। गुरु रविदास ने अपनी कविताओं के लिए जनसाधारण की गुरमुखि भाषा का प्रयोग किया है। साथ ही इसमें अवधी,ब्रिज भाषा, राजस्थानी, ख?ी बोली और रेख्ता यानी उर्दू-फारसी के शब्दों का भी मिश्रण है। गुरु रविदास जी के लगभग चालीस पद सिख धर्म के पवित्र आदि ग्रंथ %गुरुग्रंथ साहब% में भी सम्मिलित किए गए है।

कहा जाता हैं कि गुरु रविदास जी स्वामी रामानंद जी के शिष्य थे। गुरु रविदास तो सतगुरु कबीर के समकालीन व गुरूभाई माने जाते हैं। लेकिन कोई पुख्ता सबूत नशी मिलते। स्वयं कबीरदास जी ने %संतन में रविदास संत हैं% कहकर इन्हें मान्यता देकर गुरु रविदास जी को खुद परमेश्वर माना।

मीरां ने कहा 'गुरु मिल्यो रविदास जी'

राजस्थान की महान कवयित्री मीराबाई उनकी शिष्या थी। जिनके पदों में आता है गुरु मिल्यो रविदास जी- दीनी ज्ञान की गुटकी,

'मीरा सत गुरु देव की करै वंदा आस,जिन चेतन आत्म कियो धन भगवन रैदास

यह भी कहा जाता है कि चित्तौ? के राणा सांगा की पत्नी झाली रानी उनकी शिष्या बनीं थी।

वाराणसी में भव्य स्वर्ण मंदिर

वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर गांव में गुरु रविदास जी का भव्य स्वर्ण मंदिर है जिसे डेरा स्वामी सरवण दास जी सचखंड बल्लां जालंधर पंजाब के महान महापुरुषों के अथक प्रयासों से स्थापित हुआ। जहां पर आज विश्व भर से लाखों की संख्या गुरु पर्व मानते हैं जिसमे सभी जाति के लोग दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। वाराणसी में ही गुरु रविदास पार्क है जो नगवा में उनके यादगार के रुप में बनाया गया है जो उनके नाम पर 'गुरु रविदास स्मारक और पार्क' बना हुआ है जिसे उत्तर प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती ने बनवाया था।

पंडित शारदा नंद के मृत बेटे मो जीवित किया

बचपन में गुरु रविदास जी व पंडित शारदा नन्द का बेटा वे दोनों अच्छे मित्र थे। एक बार वे दोनों छुपन छुपाई का खेल रहे थे, खेलते- खेलने रात हो गई, जिससे उन लोगों ने अगले दिन खेलने की बात कही। दुसरे दिन सुबह रविदास जी खेलने पहुँचते है, लेकिन वो मित्र नहीं आता है। तब वो उसके घर जाते है, वहां जाकर पता चलता है कि रात को उसके मित्र की मृत्यु हो गई है। ये सुन गुरु रविदास सुन्न पड़ जाते है, तब शारदा नन्द उन्हें मृत मित्र के पास ले जाते है। गुरु रविदास जी को बचपन से ही अलौकिक शक्तियां मिली हुई थी, वे अपने मित्र से कहते है कि ये सोने का समय नहीं है, उठो और मेरे साथ खेलो। ये सुनते ही उनका मृत दोस्त खड़ा हो जाता है। ये देख वहां मौजूद हर कोई अचंभित हो जाते है।

रविदास दास जी का स्वाभाव

गुरु रविदास जी को ब्राह्मण लोग तिलक लगाने, कपड़े एवं जनेऊ पहनने से रोकते थे। गुरु रविदास जी इन सभी बात का खंडन करते थे, और कहते थे सभी इन्सान को धरती पर समान अधिकार है, वो अपनी मर्जी जो चाहे कर सकता है। उन्होंने हर वो चीज जो नीची जाति के लिए मना थी, करना शुरू कर दिया, जैसे जनेऊ, धोती पहनना, तिलक लगाना आदि। ब्राह्मण लोग उनकी इस गतिविधियों के सख्त खिलाफ थे। उन लोगों ने वहां के राजा से गुरु रविदास जी के खिलाफ शिकायत कर दी थी। गुरु रविदास जी सभी ब्राह्मण लोगों को बड़े प्यार और आराम से इसका जबाब देते थे। उन्होंने राजा के सामने कहा कि शुद्र के शरीर मे भी लाल खून है, दिल है, उन्हें बाकी लोगों की तरह समान अधिकार है।

गुरु रविदास जी ने भरी सभा में सबके सामने अपनी छाती को चीर दिया और चार युग सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग की तरह, चार युग के लिए क्रमशः सोना, चांदी, तांबा और कपास से जनेऊ बना दिया। राजा सहित वहां मौजूद सभी लोग बहुत शर्मसार और चकित हुए और उनके पैर छूकर गुरु जी को सम्मानित किया। राजा को अपनी बचकानी हरकत पर बहुत पछतावा हुआ, उन्होंने गुरु से माफ़ी मांगी। संत रविदास जी ने सभी को माफ़ कर दिया और कहा जनेऊ पहनने से किसी को भगवान् नहीं मिल जाते है। उन्होंने कहा कि केवल आप सभी लोगों को वास्तविकता और सच्चाई को दिखाने के लिए इस गतिविधि में शामिल किया गया है। उन्होंने जनेऊ उतार कर राजा को दे दिया, और इसके बाद उन्होंने कभी भी न जनेऊ पहना, न तिलक लगाया।

गंगा का उल्टा बहना

रविदास जी के पिता की मौत के बाद उन्होंने अपने पड़ोसियों से मदद मांगी, ताकि वे गंगा के तट पर अपने पिता का अंतिम संस्कार कर सकें। ब्राह्मण इसके खिलाफ थे, क्यूंकि वे गंगा जी में स्नान किया करते थे, और शुद्र का अंतिम संस्कार उसमें होने से वो प्रदूषित हो जाती। उस समय गुरु जी बहुत दुखी और असहाय महसूस कर रहे थे, लेकिन इस घड़ी में भी उन्होंने अपना संयम नहीं खोया और भगवान से अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए प्राथना करने लगे। फिर वहां एक बहुत बड़ा तूफान आया, नदी का पानी विपरीत दिशा में बहने लगता है। फिर अचानक पानी की एक बड़ी लहर मृत शरीर के पास आई और अपने में सारे अवशेषों को अवशोषित कर लिया। कहते है तभी से गंगा नदी विपरीत दिशा में बह रही है।

मन चंगा तो कठौती में गंगा'

गुरु रविदास की मशहूर कहावत 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' को ज्यादातर लोगों को बोलते हुए सुना होगा। इस कहावत का अर्थ है अगर व्यक्ति का मन शुद्ध है, किसी काम को करने की उसकी नीयत अच्छी है तो उसका हर कार्य गंगा के समान पवित्र है। दरअसल इस कहावत का जन्म उस समय हुआ जब एक बार गुरु रविदास के कुछ विद्यार्थी और अनुयायी ने पवित्र नदी गंगा में स्नान के लिये पूछा तो उन्होंने ये कह कर मना किया कि उन्होंने पहले से ही अपने एक ग्राहक को जूता देने का वादा कर दिया है तो अब वही उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। गुरु रविदास जी के एक विद्यार्थी ने उनसे दुबारा निवेदन किया तब उन्होंने कहा उनका मानना है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' मतलब शरीर को आत्मा से पवित्र होने की जरुरत है ना कि किसी पवित्र नदी में नहाने से, अगर हमारी आत्मा और हृदय शुद्ध है तो हम पूरी तरह से पवित्र है चाहे हम घर में ही क्यों न नहाये।

गुरु रविदास जी का ज्योति जोत समाना

चित्तौड़ में गुरु रविदास की छतरी बनी हुई है। मान्यता है कि वे वहीं से ज्योति जोत समा गए थे। हालांकि इसका कोई आधिकारिक विवरण नहीं है लेकिन कहते हैं कि वाराणसी में 1540 ई.वी. में उन्होंने देह छोड़ निराकार में विलीन हो गए थे।

क्यों आगे आया? ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । फरवरी 2020 को केशव टांडा ऑस्ट्रिया यूरोप विदेश की धरती से चलकर बिहार में संत सुखदेव महाराज जी के साथ आया। उन्होंने बिहार की टीम के साथ पूरे बिहार,झारखंड और नेपाल तक भ्रमण किया। गांव की गली मोहल्लों से गुजरा, देहाती गरीब लोगों व, बुद्धिजीवियों से बात की और उन्होंने रविदासिया समाज की मुश्किलों को समझा और अपने साथ एक अनुभव लेकर वापस ऑस्ट्रिया लौट गए। फिर वहां जाकर केशव टांडा ने अपना अनुभव पूरे यूरोप की धरती में बसे रविदासिया समाज को बताया। उन्होंने अपने साथियों को एकजुट किया और पूरे भारत में बसे रविदासिया समाज के लोगों की मुश्किलों के बारे में बताया। यूरोप के बुद्धिजीवियों ने ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन के नाम से एक संगठन का निमार्ण किया। फरवरी 2022 माह को एक नई सोच के साथ ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन की टीम केशव टांडा ,राणा अपने साथियों के साथ बिहार, झारखंड व नेपाल के दौरे पर पहुंचे।

ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप के मुख्य उद्देश्य है।

- पूरे विश्व में अमृतवाणी जगत गुरु रविदास महाराज जी का प्रचार प्रसार करना, जगत गुरु रविदास महाराज जी की असल विचारधारा से लोगों को जोडऩा।
- विश्व की जितनी भी भाषाएं हैं उसमें अमृतवाणी जगत गुरु रविदास महाराज जी को प्रकाशित करना।
- विश्व में गुरु रविदास महाराज जी के एतिहासिक अस्थानों को ढूंढ कर उनका जीर्णोद्वार (पुनर्विकसित) करवाना।
- अभी तक विश्व भर में गुरु रविदास जी महाराज के 44 अस्थानों की जानकारी उपलब्ध हुई है।
- पूरे विश्व में बाबा साहब के साहित्य को पहुंचाना उनकी किताबों को हर भाषा में प्रकाशित करना ताकि घर घर बाबा साहब के विचार पहुंच सके।
- शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों और ट्यूशन सेंटरो का निर्माण करना ताकि आने वाली पीढ़ी को अच्छी शिक्षा देकर तैयार किया जा सके।
- बच्चियों में देहाती इलाकों में बढ़ती अशिक्षा को देखते हुए उनको शिक्षा के लिए प्रेरित करना और वित्तीय सहायता भी करना
- प्रतिभाशाली बच्चों को स्कॉलरशिप देना।
- डॉक्टरों की टीम तैयार करना और जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाना ताकि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके
- मेडिकल स्टोर की स्थापना करना जिसमें बहुत ही कम दामों में आम संगत को दवाई मिल सके।
- यूरोप और पूरे विश्व में रविदासिया समाज को आपस में एक विचारधारा के साथ जोडऩा।
- जगत गुरु रविदास महाराज जी के साहित्य के ऊपर रिसर्च करना।
- हर स्टेट में एक ऑफिस खोलना यहां से इस संगठन का संचालन किया जा सके.. ताकि लोगों को असुविधा ना हो।
- अपना एक मीडिया तैयार करना ताकि रविदासिया समाज की हर खबर पूरे विश्व में पहुंच सके।
- भारत के हर स्टेट में उनकी भाषाओं के मुताबिक प्रचारकों को तैयार करना ताकि महापुरुषों की विचारधारा जन जन तक पहुंचाई जा सके।
- ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप का उद्देश्य समाज में सामाजिकता और इंसानियत को पैदा करना है ताकि आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहे और जगत गुरु रविदास महाराज जी का जो संकल्प है बेगमपुरा उसको पूरा किया जा सके।
- जल्द ही जिला कैमूर भभुआ, बिहार में एक कोचिंग संस्थान खोला जाएगा जिसमें बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए तैयार किया जाएगा।

ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाऊंडेशन के 6 फरवरी से 28 तक भारत में विशेष कार्यक्रम

ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाऊंडेशन द्वारा 6 फरवरी से 28 फरवरी 2023 तक यूपी, बंगला देश,बिहार, पंजाब,हरियाणा में विशेष कार्यक्रमों में भागीदारी कर गुरु रविदास जी महाराज की बाणी का प्रचार- प्रसार करने के लिए विशेष कार्यक्रम रखे गए हैं। ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाऊंडेशन, यूरोप की समूची टीम द्वारा गुरु रविदास जी महाराज के मिशन विश्व स्तर पर की जा रही अथक मेहनत के लिए गजब हरियाणा राष्ट्रीय समाचार पत्र की ओर से आपके अच्छे भविष्य की कामना करते हैं और ऐसे ही आप समाज सेवा में जुटे रहें।

बेगमपुरा वर्ल्ड स्कूल बनाने का निर्णय

संत श्री निरंजन दास महाराज जी के आशीर्वाद से झारखंड की धरती के ऊपर ग्लोबल रविदासिया वेलफेयर फाउंडेशन यूरोप की टीम ने पहला बेगमपुरा वर्ल्ड स्कूल बनाने का निर्णय लिया गया जोकि एक बड़ा निर्णय है जबकि पहले किसी ने इस तरह का कोई कदम नहीं उठाया। इस पहल के लिए वहां की टीम की बड़ी सराहना भी हुई और गुरु घर के लिए पालकी की सेवा भी की।

गुरु रविदास जी ध्रुव तारा है : ओशो

ओशो रजनीश ने कहा कि भारत का आकाश संतों के सितारों से भरा है। अनंत-अनंत सितारे हैं, यद्यपि ज्योति सबकी एक है। संत रैदास उन सब सितारों में ध्रुवतारा हैं। इसलिए कि शूद्र के घर में पैदा होकर भी काशी के पंडितों को भी मजबूर कर दिया स्वीकार करने को।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाषित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **''गजब हरियाणा''** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **''गजब हरियाणा''** समाचार पत्र के प्रकाषक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के वायदों पर खरा व उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाषित सामग्री से प्रिंटिंग प्रेस का कोई लेना देना नहीं है। प्रकाषक, मुद्रक एवं स्वामी जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, सामने नया बस अडडा, कुरुक्षेत्र से छपवाकर **''गजब हरियाणा''**, प्लाट नं. 56, शिव कालोनी, के.डी.बी. रोड, कुरुक्षेत्र हरियाण से प्रकाशित व मुद्रक किया।

राहुल हुड्डा
डी.सी. यमुनानगर

मोहित हांडा
एस.पी. यमुनानगर

श्री गुरु रविदास महाराज जी के 646वें प्रकाश पर्व की लख-लख बधाईयां

अपने क्षेत्र की खबरें व विज्ञापन के लिए संपर्क करें
सुखबीर,
ब्यूरो चीफ गजब हरियाणा यमुनानगर
मो. 93540-35035

जरनैल सिंह रंगा
संपादक, गजब हरियाणा समाचार

सुखबीर
ब्यूरो चीफ यमुनानगर, मो. 9054035035

हरदीप सिंह
पत्रकार, बराड़ा, मो 9802500039

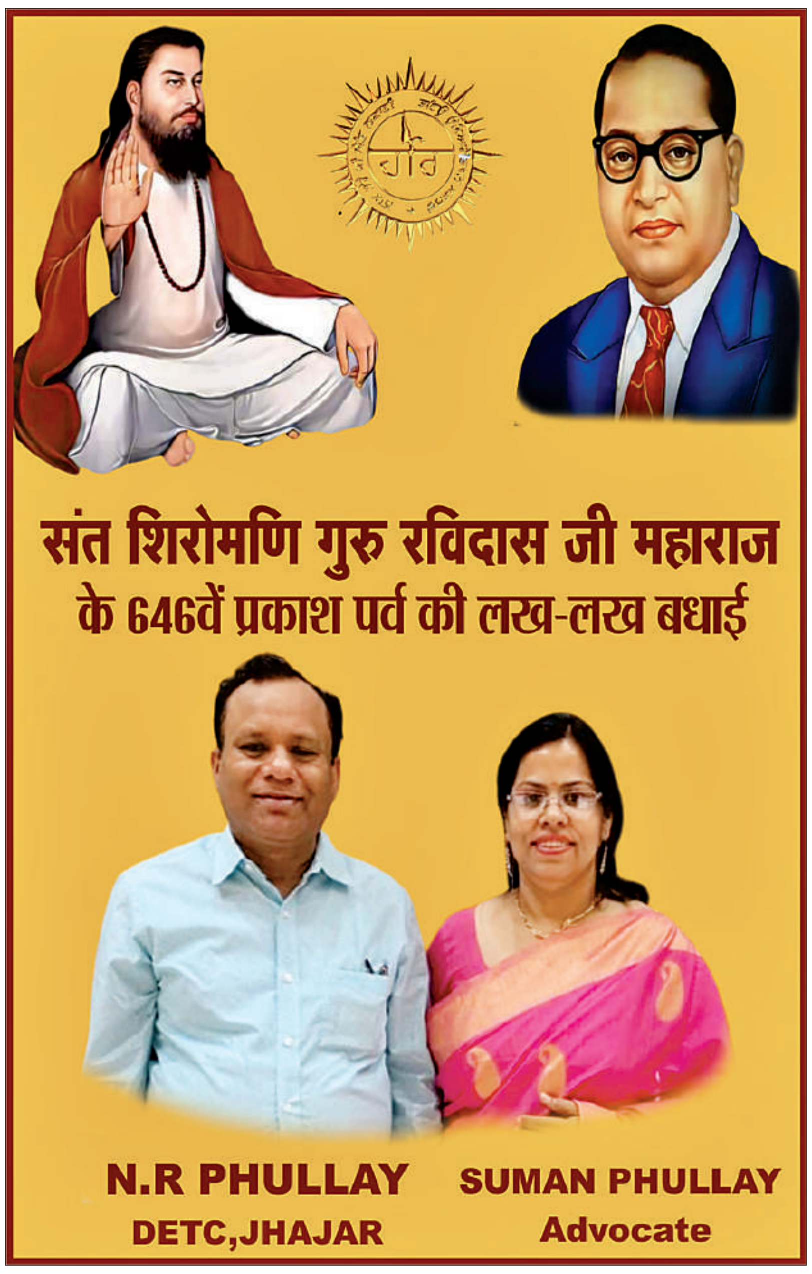

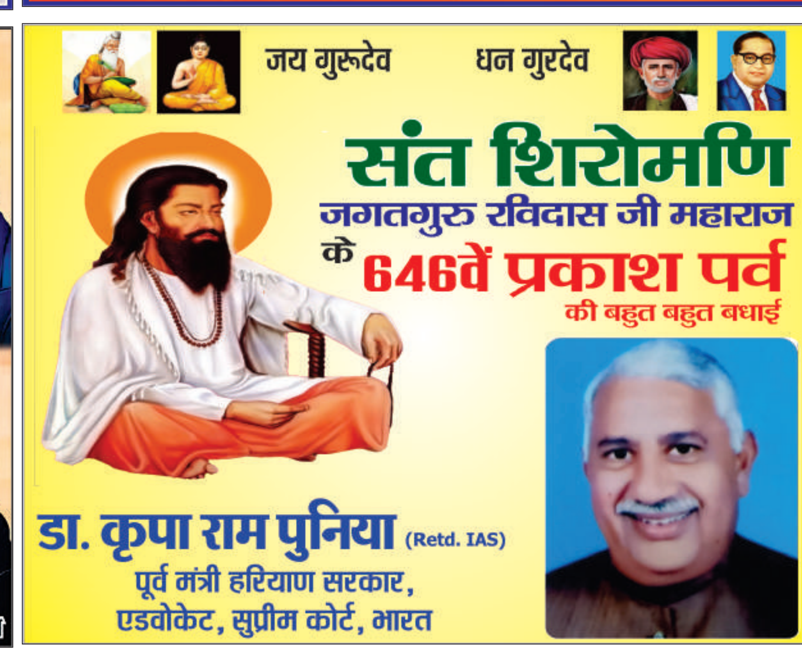

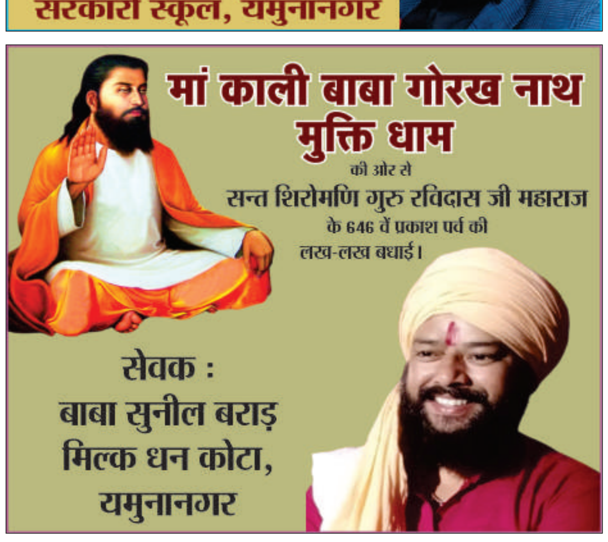

समस्त लाडवा हलका वासियों को संत शिरोमणी जगत गुरु रविदास जी महाराज के 646वें प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई

मथाना रसोई के शुभारम्भ

कार्यक्रम में पहुंचने पर 36 बिरादरी,
युवा शक्ति व हल्कावासियों का
दिल की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं।

संदीप गर्ग लाडवा

युवा नेता

मो. +91 96149 - 33333

www.sandeepgarg.com

सेवा मेरा कर्म   सेवा मेरा धर्म

संदीप गर्ग लाडवा से जुड़ने के लिए 82782-82782 पर मिस काल दें

Follow us on: sandeepgargladwa | sandeep garg vision | @sandeepgarg001 | sandeep_garg_007